शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली,
पुराना सचिवालय, दिल्ली– 110054

संख्याः– 40-15(5)/Plantation/2018-19/SCB/496-500 दिनाँकः– 15/7/19

परिपत्र

विषयः– योजनाबद्ध वृक्षारोपण हेतु आग्रह।

पुस्तकों को मानव का सबसे अच्छा मित्र माना गया है किन्तु यदि पुस्तक से भी अधिक हितैषी कोई मित्र खोजना हो, तो वह निःसंदेह वृक्ष ही है। वृक्ष से बड़ा मानव का शायद ही कोई अन्य हितैषी हो। यदि हम सांस भी ले रहे हैं तो वह भी वृक्षों के ही सौजन्य से संभव है।

मानसून के मौसम में यूं तो हमारे सभी विद्यालय वृक्षारोपण अभियान चलाते हैं। किन्तु मेरा यह आग्रह है कि इस वर्ष हमारे विद्यार्थी व अध्यापक पूरे मनोयोग से वृक्षारोपण करें और इस तरह से करें कि आपके रोपे व संरक्षित किए हुए पेड़–पौधों से हमारे विद्यालय भवनों का सौंदर्य और भी बढ़े।

वन विभाग से कोई डेढ़ लाख पेड़–पौधे लगाने का दायित्व शिक्षा विभाग को सौंपा गया है। पूरी दिल्ली के अलग–अलग क्षेत्रों में फैली 14 सरकारी नर्सरियों की सूची संलग्न है जहाँ से हर विद्यालय करीब डेढ़ सौ पौधे उठा सकता है। बिल्कुल मुफ्त।

मेरा अपने प्रधानाचार्यों व अध्यापकों से विशेष अनुरोध है कि जिन विद्यालयों में विद्यालय के भवन व चारदीवारी के बीच में कुछ जगह (जो प्रायः 4 से 10 फुट के लगभग चौड़ी होती है) रिक्त है, वहाँ चारदीवारी की तरफ करके हर तीन से चार फुट पर वृक्षों के रूप में विकसित होने वाले पौधे (जैसे अशोक, कदम्ब, बेलपत्र, सप्तपर्णी, नीम, कचनार इत्यादि) लगाए जाएं। इस प्रकार पूरी चारदीवारी के सहारे–सहारे पौधों की कतार उगाई जाए। ऐसा करने से आने वाले वर्षों में ईंट–पत्थरों की चारदीवारी के साथ–साथ वृक्षों की एक हरी–भरी चारदीवारी भी हमारे सभी विद्यालय भवनों को घेर लेगी। यह प्राकृतिक चारदीवारी हमारे बच्चों को प्राणवायु तो प्रदान करेगी ही, सूर्य के विकिरण से भी हमारे बच्चों की रक्षा करेगी और विद्यालय भवन भी ठण्डे रहेंगे।

विद्यालय में चारदीवारी के अलावा भी कुछ कोने व अन्य खाली स्थान चिन्हित किए जाएं जैसे कि खेल के मैदान के चारों ओर जहाँ पौधे रोपे जा सकें। जहाँ स्थान पर्याप्त हो वहाँ पीपल, बरगद, नीम, इत्यादि जैसे फैलाव वाले पेड़ों के पौधे लगाए जा सकते हैं। मैं यह चाहता हूँ, पौधे योजनाबद्ध तरीके से इस प्रकार लगाये जाएँ ताकि वे सुरक्षित भी रहें, उनसे विद्यालय में दैनिक प्रयोग में आने वाली भूमि का भी घेराव न हो और विद्यालय का सौंदर्य भी बढ़े। कुछ पौधे विद्यालय की चारदीवारी के बाहर सड़क/गली/पटरी पर भी लगा सकते हैं, जहाँ भी भूमि पर सजीव मृदा मिले। किन्तु विद्यालय से बाहर लगाए पौधों की सिंचाई, संरक्षण व उनकी रक्षा एक बड़ा दायित्व बन जाएगा।

एक अच्छा विचार यह भी रहेगा कि अध्यापकगण इस वर्ष बारहवीं कक्षा में आए बच्चों के हाथों से ये पौधें लगवाएँ और उन्हीं बच्चों को सप्ताह में तीन दिन उन्हें जल से सिंचित करने की जिम्मेदारी भी दें। प्रत्येक विद्यार्थी के नाम की एक छोटी सी पट्टी (जिसमें उसकी कक्षा व सेक्शन भी हो) उसके

द्वारा रोपित पौधे के आगे लगाई जाए ताकि विद्यार्थी में अपने लगाए गए पौधे के प्रति स्नेह व स्वामित्व का भाव रहे। जब तक ये बच्चे मार्च 2020 में हमारे साथ रहेंगे, तब तक ये पौधे जड़ पकड़ लेंगे। मार्च 2020 तक यह कार्य सुचारू रूप से चलता रहे, इसकी जिम्मेदारी ईको क्लब के इंचार्ज के साथ कक्षा 12 के सभी कक्षा अध्यापकों को भी सौंपी जाए। प्रधानाचार्य स्वयं भी यदा कदा निरीक्षण करें कि बच्चे अपने–अपने पौधों की सिंचाई कर रहे हैं अथवा नहीं। जहाँ कहीं जरूरत हो, विद्यालय कल्याण समिति की निधि से खरीदकर खाद, ट्री कवर, मैश इत्यादि भी उपयोग में लाए जा सकते हैं।

मैं चाहूँगा कि विभाग के अन्य कार्यालयों के कर्मचारी व अधिकारीगण भी इसी प्रकार अपने–अपने कार्यालयों में पौधें लगवाएँ।

हर बार की तरह इस बार भी जब आप अपने साइंस सेन्टर में वृक्षारोपण की रिपोर्ट भेजे (30.08.2019 तक), तो उसमें कुछ चित्र भी भेजें ताकि मैं जान सकूं कि आपने मेरे अनुरोध का किस प्रकार से अनुपालन किया है।

साइंस सेन्टर इन रिपोर्टों का सारांश व चित्र 30.08.2019 तक साइंस ब्रांच में भेज दें जहाँ से मैं उन्हें अपने कार्यालय मंगवा कर देख सकूं।

इस पुनीत कार्य में आपके सहयोग का अभिलाषी।

संलग्न :– वृक्षारोपण रिपोर्ट का प्रारूप।

(बिनय भूषण)
निदेशक (शिक्षा)

सभी राजकीय, अनुदान प्राप्त व मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य।

संख्याः– **दिनाँकः–**

छाया प्रतिः–

1. निजी सचिव, माननीय उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार।
2. निजी सचिव, शिक्षा सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली।
3. सभी विशेष, अतिरिक्त, क्षेत्रीय एवं संयुक्त निदेशक।
4. सभी उप शिक्षा निदेशक (जिला एवं जोन)।
5. उप शिक्षा निदेशक (विज्ञान शाखा) तथा सभी विज्ञान केन्द्र।
6. अधीक्षक (सूचना तकनीक)।

(बिनय भूषण)
निदेशक (शिक्षा)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
शिक्षा निदेशालय विज्ञान शाखा, विज्ञान एवं टी.वीं शाखा
दूसरी मंजिल पुराना गार्गी विश्वविद्यालय भवन
लाजपत नगर-४, नई दिल्ली - 110024
दूरभाष संख्या: 26280413 ,email: sciencebranch@gamil.com

क्र. संख्या : दिनांक :

(वृक्षारोपण रिपोर्ट)

<u>वन महोस्तव ०१-०८-२०१९ से १६-०८-२०१९</u>

१. विद्यालय का नाम _____

२. विद्यालय आई डी _____ जिला और मंडल_____ दूरभाष संख्या_____

३. विद्यालय का प्रकार: सरकारी / अर्ध-सरकारी / गैर-सरकारी_____

४. प्रधानाचार्य का नाम_____

५. वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध कुल क्षेत्र (वर्ग मीटर में)_____

६. दिशाओं के आधार पर आवंटित क्षेत्र (वर्ग मीटर में) :-

पूर्व_____पश्चिम_____ उत्तर_____ दक्षिण_____

	३१-०७-२०१८ तक उपलब्ध वृक्षारोपण की संख्या			०१-०८-२०१९ से १६-०८-२०१९ तक वन्मोहत्सव के दौरान लगाये गए पौधो की संख्या			३०-०८-२०१९ तक कुल वृक्षों की वास्तविक स्थिति		
	वृक्ष	झाड़ियाँ	औषधिय पौधे	वृक्ष	झाड़ियाँ	औषधिय पौधे	वृक्ष	झाड़ियाँ	औषधिय पौधे
इको-क्लब									
गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा स्थापित औषधिय उद्यान									

हस्ताक्षर (शिक्षक प्रभारी)
हस्ताक्षर
नाम
आई डी
पदनाम
दूरभाष संख्या

प्रधानाचार्य/ विद्यालय प्रमुख

कार्यालय मोहर
दूरभाष संख्या

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
शिक्षा निदेशालय विज्ञान शाखा, विज्ञान एवं टी.वी शाखा
दूसरी मंजिल पुराना गार्गी विश्वविद्यालय भवन
लाजपत नगर-४, नई दिल्ली - 110024
दूरभाष संख्या: 26280413 ,email: sciencebranch@gamil.com

सरकारी नर्सरी की सूची

दिनांक ०१-०८-२०१९ तक विद्यालयों में वन महोत्सव आयोजित किया जाएगा | सभी विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि वे निम्नलिखित १४ सरकारी नर्सरी (पौधशाला) में से अपनी निकटतम नर्सरी से पौध प्राप्त कर सकते है | प्रत्येक विद्यालय कम से कम ५० पेड़ और १०० शर्व प्राप्त करे |

१. कमला नेहरु रिज (सी. एफ. कार्यालय)
२. आनंद विहार (अंतराज्य बस अड्डा)
३. भैरों मार्ग (भैरों जंकशन के पास)
४. पुराना यमुना पुल
५. हौज रानी फौरेस्ट (एम. बी. मार्ग, डी. सी.दक्षिण)
६. अलीपुर सिटी फौरेस्ट (पुराना सचिवालय)
७. बरार स्क्वेयर (रेलवे क्रोसिंग के पास)
८. पूठकलां (सुल्तानपुरी बस टर्मिनल के पास)
९. बादली नर्सरी (पौधशाला) (बादली रेलवे स्टेशन के पास)
१०.नजफगढ़ (एस. डी. एम. पुराना बी. डी. ओ. कार्यालय के पास)
११.खरखरी पौधशाला (खरखरी जयमल कृषि बीज फार्म)
१२.देवली पौधशाला (सैनिक फार्म के पीछे)
१३.तुगलकाबाद पौधशाला (शूटिंग रेंज के पीछे)
१४.बिरला मंदिर पौधशाला (बिरला मंदिर के पीछे)